

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

पी.जी.डी.टी. - 2 : अनुवाद का भाषिक और  
सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

भाग - I

**नोट** : निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं। 3x20=60

1. 'किसी भाषा का शब्द भंडार उस भाषा-समाज के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप को अभिव्यक्त करता है', उपयुक्त उदाहरण देते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।
2. वाक्य में पदक्रम किसे कहते हैं? अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करते समय पदक्रम से संबंधित किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?
3. शब्द-रचना के विभिन्न उपादानों का विवेचन करते हुए उनके प्रकार्यों पर प्रकाश डालिए।

4. 'शिक्षा माध्यम' के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अनुवाद से इसके संबंध का विस्तार से विवेचन कीजिए।
5. अनुवाद के लिए किन-किन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर खुले हैं? किन्हीं दो क्षेत्रों पर विस्तार से विचार कीजिए।
6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- (क) मुक्त तथा आबद्ध रूपिम।
  - (ख) जन-संचार माध्यमों की भाषा और शैली।
  - (ग) भाषा के मानकीकरण के सोपान।
  - (घ) प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता।

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

20

The pre - independence era in India was one replete with (भरा हुआ) new and revolutionary ideas. Great personalities were dedicating their lives to reform and regeneration (पुनरुज्जीवन) of the country as well as to fighting for its freedom. In fact a lively debate was on about what should be given priority - social reform or political independence? Some people like Gandhi believed that political freedom could not be worked out or sustained unless it was rooted in social and economic well being for all. Some other leaders believed that the whole of national energy should be devoted to the struggle for freedom and once freedom was achieved, everything will automatically fall into place. Once the foreign rulers were driven away, social and economic conditions of the country would improve.

8. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

10

अगर आज हमें कोई काम करना हो तो हम प्रायः क्या करते हैं? एक बड़ी संस्था बनाते हैं। उसका एक मुख्यालय तय करते हैं। फिर उसकी शाखाएँ - केंद्र तथा उपकेंद्र बनाते हैं। अध्यक्ष चुनते हैं, कार्यकारिणी समिति (Executive Committee) बनाते हैं। सैकड़ों कार्यकर्ताओं को भर्ती करते हैं। इस विशाल ढाँचे को चलाने के लिए बड़ा बजट जुटाते हैं। कभी शासकीय स्रोतों से आर्थिक अनुदान बटोरने के लिए दौड़ते हैं तो कभी विदेशी स्रोतों के आगे झोली फैलाते हैं। इतना कुछ करने के बाद यदि संस्था का उद्देश्य पूरा हो जाए तो इतना सब

करने का कुछ मतलब भी निकलता है। पर कई बार यही नहीं हो पाता। बाकी सब कुछ होता रहता है - राजनीति, हड़ताल, तालाबंदी तक।

9. निम्नलिखित प्रश्न पत्र का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

**B.A (Hons.) / I**

**POLITICAL SCIENCE - Paper I**  
**(Colonialism and Nationalism in India)**  
**(New Course)**

Time : 3 Hours

Maximum Marks :100

(Write your Roll No. as the top immediately on receipt of this question paper)

**Note :** Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

*All questions carry equal marks.*

1. Explain the nature of British Colonial rule in India. Discuss its impact on social life, education and culture.
2. Enumerate the reasons for the birth of Indian National Congress. What was its social background before 1919 ?
3. Explain strategy, programme and methods of struggle of Civil Disobedience Movement.
4. Explain the different phases of revolutionary nationalist movements during the freedom struggle.
5. Discuss the role and participation of women in Indian National Movement.